

पाठ-4

माटी वाली

प्र०-1 'शाहरवासी सिर्फ माटी को नहीं उसने
कंठ को भी अच्छी तरह पहचानते हैं।
आपका समझ से वे ज़ीन से आख
रहे होंगे जिन्हें रहते 'माटी वाली' को
सब पहचानते थे।

उ०-1 'चूंकि माटी वाली घर रक्तमात्र है ही महिला
थी जो स्वभाव वृत्ति के चूल्हे को
पोतने और लौधारों पर लेपन आवि
करने को विशेष लाल मिट्टी पहचानती
थी और यह मिट्टी सभी को
अनिवार्य आवश्यकता थी इसलिए माटी
वाली तथा उसका कंठ को सब
पहचानते थे।

प्र०-2 माटी वाली को पास अपने अच्छे हाथों
साथ को कंठ में ज़्यादा लेपन का
समय क्यों नहीं था।

उ०-2 माटी वाली रक्त निम्न स्तरीय जीवन व्यतीत
करने वाली गरीब श्रमिक महिला थी।
उसने अपने गुजर को चीने मुदान के
मिरा माटी बननी पड़ती थी। अतः

राशिभी और ब्रह्मरीतिता ने चीन्हे इसे
उपने काल के विषय में स्थापने
का अवसर नहीं पा।

प्र-3 'भुरव भीड़ी कि बोलन भीडा' से
क्या अभिप्राय है ?

उ-3 इसका अभिप्राय यह है कि बोलन
तभी होता जा रहा है, जब भुरव
जगा हो। बिना भुरव के उत्पन्न होने
बोलन की निरस्त तथा भुरव जगा होने
पर स्वभाव-स्वरूप बोलन की स्थापित
जा रहा है।

प्र-4 पुरखे ने राशि नमाई से दासिल की
राशि-प्राप्ति को इस नए भूषण
बचन को भेज दित जा रहा है।
कहा 'आत्मिकता के इस अधन के
इस अधन के आत्मिकता से विरारता
को बार से अपने विचार व्यक्त
जागिर।

उ-4 विरासत के रूप में मिली वस्तु
हमारे स्थापना पर धरोहर है, ईनाका
स्वरूप पर हमें अपने अतीत
और स्थापना को स्थापित कर
सकते हैं। अतीत का स्वरूप

वस्तुतः अपने व्यक्तित्व अन्य गौरव का
स्वरूप है।

प्र-5 माटी वाली का रोहियो का इस तरह विस्थाप
जागाना उसकी निरस्त भावबुद्धि को
प्रणत करता है।

उ-5 रोहियो का विस्थाप जागाना माटी बन्नी की
गौरबी और अभिन्न रूप से इसी भावबुद्धि
को प्रदर्शित करता है।

प्र-6 ज्ञान माटी वाली बुद्धि को नोरी रोहियो
नहीं देती-इस न अधन के आधार पर
माटी वाली के विषय में कहा जा रहा
अपने शब्दों से लिखित।

उ-6 माटी वाली का विषय अपने बड़े पारि को
जाते नरणा और प्राणिकता से अनुभावित हो
करा पा। चौकि रोहियो उठने जल गहरी
पी इसीलिए नैवले रूप हो वस्तु को
व्यवस्था करने की थी। अतः रोहियो वापस
नेमा बूढ़े को नैवले कोने रोहियो का
हैना को निश्चय किया।

30

प्र०-7 'गरीबी आदमी का बमशान नहीं उलझना चाहिए।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र०-8 'विस्थापन की समस्या' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उ०-8 प्रश्नसंख्या 7 तथा 8 को पाठ को अंतिम अनुच्छेद और उसके अंत में प्रीय भाव को आधार पर विद्यार्थी स्वयं करें।

